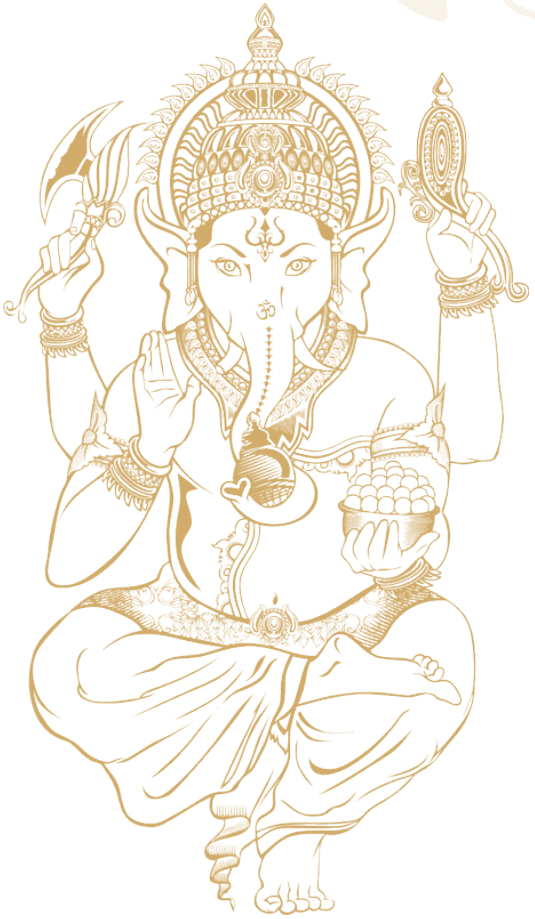

Soumya Sharma

08 Sep 2006

10:53 AM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 121097204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/09/2006**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:53:00 घंटे**
इष्ट	11:49:38 घटी
स्थान	**Jaipur Rly Station**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:26:12 घंटे
वेलान्तर	00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल	09:34:45 घंटे
सूर्योदय	06:09:08 घंटे
सूर्यास्त	18:39:29 घंटे
दिनमान	12:30:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:28:59 सिंह
लग्न के अंश	23:17:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:17:29	310:44:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			सिंह	21:28:59	00:58:13	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			कुंभ	27:49:13	15:12:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	06:04:41	00:38:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	27:50:30	01:48:27	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:32:50	00:09:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	08:28:38	01:14:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:52:40	00:07:10	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:23:40	00:00:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:23:40	00:00:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:41:10	00:02:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:44:21	00:01:24	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:07:46	00:00:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	27:21:23	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

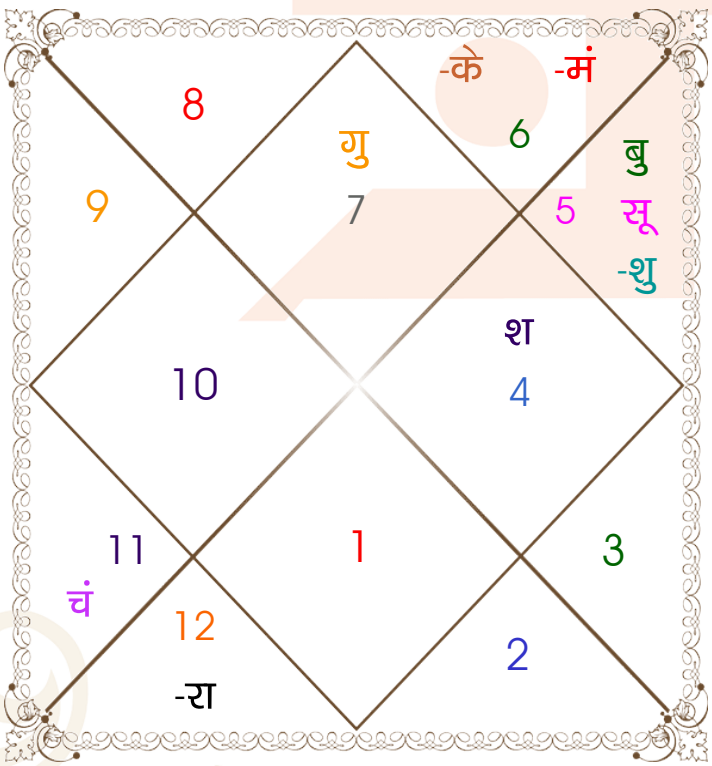

चन्द्र कुंडली

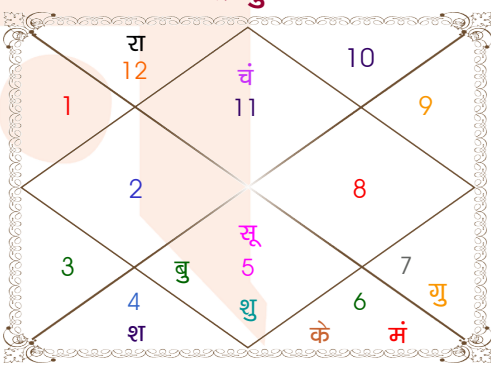

नवमांश कुंडली

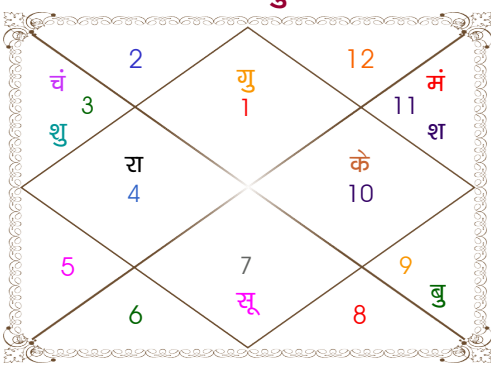

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 7 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/09/2006		20/04/2013		20/04/2032		20/04/2049		20/04/2056	
20/04/2013		20/04/2032		20/04/2049		20/04/2056		20/04/2076	
	00/00/0000	शनि	23/04/2016	बुध	17/09/2034	केतु	17/09/2049	शुक्र	21/08/2059
	00/00/0000	बुध	01/01/2019	केतु	14/09/2035	शुक्र	17/11/2050	सूर्य	20/08/2060
	00/00/0000	केतु	10/02/2020	शुक्र	15/07/2038	सूर्य	24/03/2051	चंद्र	21/04/2062
	08/09/2006	शुक्र	12/04/2023	सूर्य	21/05/2039	चंद्र	24/10/2051	मंगल	21/06/2063
शुक्र	02/11/2007	सूर्य	24/03/2024	चंद्र	20/10/2040	मंगल	21/03/2052	राहु	21/06/2066
सूर्य	20/08/2008	चंद्र	23/10/2025	मंगल	17/10/2041	राहु	08/04/2053	गुरु	19/02/2069
चंद्र	20/12/2009	मंगल	02/12/2026	राहु	05/05/2044	गुरु	15/03/2054	शनि	20/04/2072
मंगल	26/11/2010	राहु	08/10/2029	गुरु	11/08/2046	शनि	24/04/2055	बुध	19/02/2075
राहु	20/04/2013	गुरु	20/04/2032	शनि	20/04/2049	बुध	20/04/2056	केतु	20/04/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/04/2076		21/04/2082		20/04/2092		21/04/2099		21/04/2117	
21/04/2082		20/04/2092		21/04/2099		21/04/2117		00/00/0000	
सूर्य	08/08/2076	चंद्र	19/02/2083	मंगल	16/09/2092	राहु	02/01/2102	गुरु	10/06/2119
चंद्र	06/02/2077	मंगल	20/09/2083	राहु	05/10/2093	गुरु	28/05/2104	शनि	21/12/2121
मंगल	14/06/2077	राहु	21/03/2085	गुरु	11/09/2094	शनि	04/04/2107	बुध	28/03/2124
राहु	09/05/2078	गुरु	21/07/2086	शनि	21/10/2095	बुध	21/10/2109	केतु	04/03/2125
गुरु	25/02/2079	शनि	19/02/2088	बुध	17/10/2096	केतु	09/11/2110	शुक्र	09/09/2126
शनि	07/02/2080	बुध	21/07/2089	केतु	15/03/2097	शुक्र	08/11/2113		00/00/0000
बुध	14/12/2080	केतु	19/02/2090	शुक्र	15/05/2098	सूर्य	03/10/2114		00/00/0000
केतु	20/04/2081	शुक्र	21/10/2091	सूर्य	20/09/2098	चंद्र	03/04/2116		00/00/0000
शुक्र	21/04/2082	सूर्य	20/04/2092	चंद्र	21/04/2099	मंगल	21/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 7 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।